अनुसंधान केन्द्र

विश्वविद्यालय में प्राचीन वैदिक एवं लौकिक साहित्य में निहित विज्ञान को लोकोपयोगी बनाने हेतु शोधपरक अध्ययन कर उसे प्रकाशित करने हेतु अत्यंत विशाल एवं समृद्ध अनुसंधान केन्द्र स्थापित है जिसमें दुर्लभ ग्रन्थों का संग्रहण, संरक्षण, सम्पादन एवं प्रकाशन का कार्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा स्वीकृत त्रैमासिक शोध पत्रिका **'वयम्'** का संस्कृत, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषाओं में शोधपत्रों के सहित प्रकाशन का कार्य अनुसंधान केन्द्र द्वारा किया जा रहा है। अनुसंधान कार्य में प्रायोगिक शोध और व्याख्यान हेतु अनुसंधान केन्द्र में आठ शोधपीठ स्थापित हैं, जिसमें श्रीरामानन्दाचार्य वेदान्त पीठ, सवाई जयसिंह ज्योतिर्विज्ञान पीठ, वेदवाचस्पति पं. मधुसूदन ओझा वेदविज्ञान पीठ, महामहोपाध्याय गिरधर शर्मा चतुर्वेदी व्याकरण पीठ, भट्ट मथुरानाथ शास्त्री साहित्य पीठ, पद्मभूषण पट्टाभिराम शास्त्री मीमांसा एवं धर्म पीठ, पं. नित्यानन्द शास्त्री आधुनिक संस्कृत पीठ तथा महाकवि ज्ञानसागर जैन दर्शन पीठ निरन्तर संचालित हैं।

अनुसंधान केन्द्र में शोधोपयोगी 850 दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संग्रह है। साथ ही अनुसंधान केन्द्र द्वारा व्याख्यानमणिमाला, मञ्जुनाथवाग्वैजयन्ती, ज्योत्पत्ति, सांख्यकारिका, काव्यदर्शनविमर्श, वैदिकसंहितासु ज्योतिर्विज्ञानम्, अश्वशास्त्रम्, चिकित्साज्यौतिषम्, Integral World - View of The Vedas आदि महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का प्रकाशन किया गया है। इसके अतिरिक्त अनेक शोध केन्द्रों को भी मान्यता प्रदान की गई। जिसमें विश्वविद्यालय के निर्देशन में सतत शोध कार्य संचालित है। अनुसंधान केन्द्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अनुसार विद्यावारिधि (पी.एच्.डी.) एवं विद्यानिधि (एमफिल्) आयोजित करता है।

आचार्यगण

डॉ. माताप्रसाद शर्मा
सह आचार्य
9929773201

डॉ. संदीप जोशी
सहायक आचार्य
9828792770